दैनिक भास्कर
शुभ धनतेरस
झुंझुनूं, शुक्रवार, 10 नवंबर, 2023 • कार्तिक कृष्ण पक्ष-12, 2080
वर्ष 7, अंक 45, महानगर | 12 राज्य | 61 संस्करण
शेखावाटी भास्कर
शुभ धनतेरस
झुंझुनूं ▸ चिड़ावा ▸ पिलानी ▸ नवलगढ़ ▸ सूरजगढ़ ▸ मलसीसर
झुंझुनूं, शुक्रवार, 10 नवंबर, 2023 कार्तिक कृष्ण पक्ष-12, 2080

सीएसआईआर-सीरी में आठवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में कार्यशाला का आयोजन

'जीवन में आयुर्वेद का महत्व एवं उपयोगिता' विषय पर रोचक व्याख्यान हुआ

भास्कर न्यूज | पिलानी

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्यालय के दिशा निर्देशानुसार 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी में आयुर्वेद पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. रमेश जाजू, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक ने \'जीवन में आयुर्वेद का महत्व एवं उपयोगिता' विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने की। अपने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार के इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत देशभर में 11 अक्टूबर से 10 नवंबर की अवधि को आयुर्वेद महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने स्वदेशी चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अन्य स्वदेशी पद्धतियों की भूमिका को भी रेखांकित किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. रमेश जाजू ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखने और अस्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ करने की चिकित्सा पद्धति का नाम है। अपने व्याख्यान में उन्होंने अनुशासित दिनचर्या को अच्छे स्वास्थ्य का आधार बताते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए आदर्श आहार के साथ-साथ भोजन व आहार का समय भी निश्चित होना अनिवार्य है। व्याख्यान के उपरांत डॉ. कर्माकर ने मुख्य अतिथि डॉ. जाजू को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

पिलानी. 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी में हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य।

प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक थे। संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाने की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया व जनसंपर्क यूनिट के प्रमुख रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा इस वर्ष आयुर्वेद अभियान के लिए ''आयुर्वेद – प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रतिदिन' नारा दिया है। उन्होंने सभी सहकर्मियों को आमंत्रित अतिथि का परिचय भी दिया। व्याख्यान के उपरांत संस्थान की डिस्पेंसरी में चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में संस्थान कार्मिकों एवं उनके परिजनों ने चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं प्राप्त की।

डॉ. जाजू ने संस्थान में सभी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया व प्रशासन नियंत्रक शरण के प्रति आभार व्यक्त किया।